प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय के छात्रों ने जानी हाइड्रोपोनिक तकनीक

पंतनगर। 25 अप्रैल 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के तृतीय वर्ष में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बर्षाधारित कृषि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आज हल्दी, पंतनगर, में स्थित उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद के बायोटेक भवन का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया, जहाँ बिना मिट्टी की खेती (हाईड्रोपोनिक) के प्रदर्शन का विद्यार्थियों द्वारा अवलोकन किया गया। डा. सुमित पुरोहित ने हाइड्रोपोनिक खेती की तकनीक के लाभों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भविष्य में कैसे जमीन की कमी होने पर इस तरह की खेती को शहरों में भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस तरह की यूनिट लगाकर बिना कीट एवं रोगों के बेमौसमी फसल लगाकर अत्यधिक लाभ कमाया जा सकता है। डा. पुरोहित ने मछली के टैंक से निर्मित एक्वापोनिक खेती के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया, जिसके अन्तर्गत मछली की बिट का प्रयोग पोषक तत्वों के विलयन की तरह कर खेती की जा रही थी। भविष्य की योजनाओं के बारे में उन्होंने बताया कि कई ऐसी फसलों पर काम किया जा रहा है जो उत्तराखंड के भविष्य में अत्यधिक लाभकारी साबित होंगी, जैसे कीवी, तिमूर, बड़ी इलाइची इत्यादि। उन्होंने बच्चों को भविष्य में इस खेती से संबंधित अपना खुद का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिए भी प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त डा. मनिन्द्र मोहन एवं डां कंचन कार्की ने भवन में निर्मित टिश्यू कल्चर, एरोपोनिक्स तथा जल एवं मृदा टेस्टिंग लैब की जानकारी भी दी। अंत में डा. अमित केसरवानी, सहायक प्राध्यापक, पंतनगर विश्वविद्यालय ने परिषद के वैज्ञानिकों का धन्यवाद् करते हुए कहा कि भविष्य नियोजित इस तरह की खेती विद्यार्थियों की ज्ञान वृद्धि और किसानों के लिए अत्यधिक लाभकारी साबित होगी। विद्यार्थियों ने बायोटेक भवन में बने हाइड्रोपोनिक खेती के अंतर्गत टमाटर व स्ट्रॉबेरी की तकनीक को जाना और उससे सम्बंधित परीक्षण और प्रशिक्षण की सुविधा की विस्तृत जानकारी ली।

बायोटेक भवन में आधुनिक खेती की विधाओं की जानकारी प्राप्त करते पंतनगर के विद्यार्थी।